Winding up of Working Group on Films Division

83. SHRI INDRAJIT GUPTA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have decided to wind up the Working Group set up to determine the feasibility of converting the Films Division into an autonomous body; and

(b) if so, the details and reasons therefor?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI VASANT SATHE): (a) Yes.

(b) The Film is a powerful force for national integration and the Indian documentary is expected to help the people to grasp the ideals of the country. Hence there is no need to delink completely Films Division from Government. Great films even dramatic and poetic films, can be and have been made within the framework of the existing Films Division. Otherwise also Films Division enjoys adequate functional autonomy particularly with respect to production matters.

बिहार में कृषि और उद्योग पर बिजली की कमी का प्रभाव

84. श्रीमती कृष्णा साही : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार को उसकी 1400 मेगावाट बिजली की आवश्यकता के विरुद्ध केवल 350 मेगावाट बिजली ही दी जा रही है ;

(ख) क्या बिजली की कमी के कारण कृषि और उद्योग पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा बिहार में बिजली की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) बिहार में बिजली की मांग में 600 मेगावाट तक से 650 मेगावाट की विविधता है । इसकी तुलना में उपलब्धता लगभग 350 मेगावाट से 450 मेगावाट है।

(ख) बिजली की कमी से कृषि और औद्योगिक उत्पादन पर, विशेषकर गहन रूप से विद्युत का उपयोग करने वाले उद्योगों के मामले में, प्रभाव अवश्य पड़ता है। कृषि उपभोक्ताओं को बिजली की सप्लाई प्राथमिकता के आधार पर की जाती है और इसलिए बिजली की कमी का प्रभाव कृषि उत्पादन पर अपेक्षाकृत कम है।

(ग) राज्य में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता में अभिवृद्धि करने और वर्तमान ताप विद्युत केन्द्रों के कार्य निष्पादन में सुधार करके वर्तमान प्रतिष्ठापित क्षमता से अधिकतम उत्पादन करने के लिए सरकार द्वारा कदम उठाए गए हैं। पतरातू में 110–110 मेगावाट के दो यूनिटों को और बरौनी में 110–110 मेगावाट के दो यूनिटों के प्रतिष्ठापना की जा रही है। इसके अतिरिक्त दो नये विद्युत केन्द्रों की स्वीकृति भी, 2X110 मेगावाट का केन्द्र मुज्जफरपुर में और 2X210 मेगावाट का केन्द्र तेनघाट में, दे दी गयी है । आशा है कि स्वर्णरेखा जल विद्युत परियोजना का दूसरा यूनिट भी शीघ्र ही चालू हो जाएगा । आशा है कि इन यूनिटों के चालू हो जाने से तथा पतरातू और बरौनी के ताप विद्युत् केन्द्रो के कार्य निष्पादन में सुधार हो जाने से बिहार मे बिजली की स्थिति काफी सुधर जाएगी।

Setting up of Television Centres at Varanasi and other Places

85. SHRI K. C. PANDEY: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the proposals for setting up television centres at Varanasi, Allahabad and Gorakhpur had been considered in 1975-76;

(b) if so, when television centres at Varanasi, Allahabad and Gorakhpur will be set up; and

(c) whether it is a fact that Varanasi and Allahabad are pilgrim centres and Gorakhpur is the Centre of Eastern U.P. and there has been a constant demand that for the entertainment and development of this